

**वाल्चंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स, सोलापुर**

(स्वायत्त महाविद्यालय)

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पाठ्यक्रम - 2023-24

स्नातकोत्तर हिंदी विभाग



**Name of Faculty:** Humanities

**CHOICE BASED CREDIT SYSTEM**

**Syllabus : Hindi**

**Name of the Course:** M.A. Hindi (Sem- I & II)

With effect from 2023 -24

# Department of Hindi NEP Syllabus 2023-24

## Credit chart for M.A. Hindi

M.A. Hindi NEP-2020				
Sem-I				
Paper	Paper Title	ESE	IE	Total
Major Mandatory DSC	All Four			
I(4 Credits)	आधुनिक हिंदी गद्य : प्रतिनिधि कहानियाँ एवं नाटक	60	40	100
II(4 Credits)	भाषाविज्ञान	60	40	100
III(4 Credits)	प्रयोजनमूलक हिंदी	60	40	100
IV(2 Credits)	हिंदी साहित्य और सिनेमा-1	30	20	50
Major Electives DSE	<b>कोई एक (Any One)</b>			
I(4 Credits)	- I A) व्यावसायिक वर्ग – पत्रकारिता-भाग -1	60	40	100
II(4 Credits)	DSE- II B) साहित्यिक वर्ग-विशेष रचनाकार: कबीर	60	40	100
RM	अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया	60	40	100
Max . Credits : 22				
Sem-II				
V(4 Credits)	आधुनिक हिंदी निबंध और उपन्यास	60	40	100
VI(4 Credits)	हिंदी भाषा एवं लिपि	60	40	100
VII(4 Credits)	संगणकीय एवं व्यावहारिक हिंदी	60	40	100
VIII(2Credits)	हिंदी साहित्य और सिनेमा-2	30	20	50
Major Electives DSE	Any One ( कोई एक )			
III (4Credits)	A) व्यावसायिक वर्ग – पत्रकारिता-भाग-2	60	40	100
IV (4Credits)	B) साहित्यिक वर्ग-विशेष रचनाकार: सूर्यकांत त्रिपाठी (निराला)	60	40	100
FP(4 Credits)	क्षेत्र परियोजना (बैंकिंग, रेल, राष्ट्रीय अनुसंधान केंद्र, डाक आदिमें भाषा सर्वेक्षण तथा कामकाज )	60	40	100

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –I

**Subject: DSC –I आधुनिक हिंदी गद्य : प्रतिनिधि कहानियाँ एवं नाटक**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत्त) , सोलापुर

सत्र -I

## DSC –I आधुनिक हिंदी गद्य : प्रतिनिधि कहानियाँ एवं नाटक

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

### 1.1 प्रस्तावना :-

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य के राग-विराग, तर्क-चिंतन तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशल पूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यक्ति होता है, वैसा अन्य साहित्य विधा में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इसका साक्षी है कि प्रौढ मन, मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ, शक्तीशाली प्रतिरूप, उसकी व्यक्ति एवं स्वतंत्र चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य व्यापक बन गया है। इसलिए स्नातकोत्तर भाग – एक सत्र – प्रथम एवं द्वितीय के लिए आधुनिक हिंदी गद्य साहित्य प्रश्नपत्र रखा गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन के विकास के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। प्रत्येक सत्र में यह प्रश्नपत्र चार विभागों में विभाजित है। जिसमें विद्यार्थियों को कहानी तत्वों के आधार पर कहानी की समीक्षा, नाटक का मंचन, निबंध लेखन की कला और उपन्यास विधा के तत्व सम्मिलित किए गए हैं। इससे विद्यार्थियों में चिंतन-मनन, तर्क, लेखन, प्रतीति और जीवन व्यवहार में प्रयोग आदि को वृद्धिगंत करने में सहायक सिद्ध होंगे।

### पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course) :-

१. छात्रों को हिंदी गद्य साहित्य से परिचित कराना।
२. छात्रों को हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कराना।
३. छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना।
४. छात्रों में हिंदी गद्य विधा से रुचि निर्माण कराना।
५. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से रू-ब-रू कराना।
६. छात्रों को कहानी की समीक्षा, नाटक का मंचन, निबंध लेखन कला तथा उपन्यास विधा के तत्व से परिचित कराना।

### 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course) :-

- १ छात्र हिंदी गद्य साहित्य से परिचित होंगे।
- २ छात्र हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन- मनन करेंगे।
- ३ छात्रों में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित होगी।
- ४ छात्रों में गद्य विधा के प्रति रुचि निर्माण होगा।
- ५ छात्र तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित होगा।
६. छात्र कहानी की समीक्षा, नाटक का मंचन तथा निबंध लेखन कला से तथा उपन्यास विधा के तत्व से परिचित होंगे।

### 1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes) :-

#### साहित्य :-

- 1 छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी।
- 2 छात्र हिंदी के मूर्धन्य रचनाकारों ( कवि एवं लेखक) से परिचित होंगे।
- 3 छात्रों में राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना बढ़ेगी।

#### भाषा :-

- 1 छात्रों की विचारक्षमता और कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा और इसी के साथ कहानी की समीक्षा तथा निबंध लेखन की क्षमता प्राप्त करेगा।

2 छात्र नाटक का मंचन , उपन्यास आदि गद्य विधा से चिंतन-मनन , तर्क , लेखन कला की क्षमता प्राप्त करेगा ।

### 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes ) :-

1 छात्रों को विभिन्न भाषिक कौशल सीखने में मदद होगी । जैसे- लेखन , पठन , उच्चारण और संभाषण आदि ।

2 छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं से अवगत होगा ।

### 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

### 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधी ( Duration of the Course ) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधी चार सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी ।

### 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधी ( Duration of Course ) :-

एम. ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

### 1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धति ( Modes of Internal Evaluation ) :-

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परीक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

### 1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी

## वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर DSC –I आधुनिक हिंदी गद्य : प्रतिनिधि कहानियाँ एवं नाटक

Credits: Theory-04

Contact Hours: 60

### Course Structure

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र क्रं. Paper No.	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
I	DSC -I	आधुनिक हिंदी गद्य : प्रतिनिधि कहानियाँ एवं नाटक	60	40	60	100	04
कुल	---	---	60	40	60	100	04

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर  
सत्र -I  
DSC –I आधुनिक हिंदी गद्य : प्रतिनिधि कहानियाँ एवं नाटक

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

**इकाई -1 कहानी विधा एवं कहानियाँ**

( Credit :1) 15

- 1 . कहानी साहित्य : उदभव और विकास
2. कहानी साहित्य के तत्व
- 3 . उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
- 4 . पूस की रात - प्रेमचंद
- 5 . पुरस्कार - जयशंकर प्रसाद
- 6 . नारंगियाँ - अज्ञेय

**इकाई:2**

( Credit : 1 ) 15

- 2.1 . करवा का व्रत - यशपाल
- 2.2 मलबे का मालिक - मोहन राकेश
- 2.3 अकेली - मन्नू भंडारी
- 2.4 वापसी - उषा प्रियम्वदा
- 2.5 तत्वों के आधार पर कहानी की समीक्षा

**इकाई 3 नाटककार विष्णु प्रभाकर एवं ' होरी ' नाटक**

( Credit : 1 ) 15

- 1 . विष्णु प्रभाकर : जीवन परिचय
- 2 . विष्णु प्रभाकर : साहित्य परिचय
- 3 . नाटक का कथानक
- 4 . नाटक के पात्र एवं चरित्र- चित्रण

**इकाई 4 ' होरी ' नाटक का अध्ययन**

( Credit :1) 15

- 4.1 . नाटक के संवाद
- 4.2 . नाटक में अभिनेयता एवं रंगमंच
- 4.3 . नाटक की भाषाशैली
- 4.4 . नाटक का उद्देश्य
- 4.5 . नाटक का मंचन
- 4.6 ध्वनि योजना
- 4.7 प्रकाश योजना
- 4.8 वेशभूषा
- 4.9 रंगमंचीयता

**संदर्भ सूची :-**

- 1 नियत पाठ्यपुस्तक — हिंदी की प्रतिनिधी कहानियाँ — सं. डॉ. कृष्णा रैणा , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 2 नियत पाठ्यपुस्तक — होरी (नाटक) विष्णु प्रभाकर , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 3 आधुनिक हिंदी कहानी — डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 4 . समकालीन हिंदी नाटक में संघर्ष चेतना — डॉ. गिरीश रस्तोगी , हरियाणा साहित्य अकादमी , चंदीगढ ।
- 5 . हिंदी कहानी का इतिहास — डॉ. राय गोपाल , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 6 . हिंदी नाटक — डॉ. बच्चन सिंह , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 7 . हिंदी नाटक कोश — डॉ. दशरथ ओझा , नेशनल प्रकाशन , नई दिल्ली ।

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत्त) , सोलापुर.

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )

सत्र – I

**DSC –I आधुनिक हिंदी गद्य : प्रतिनिधि कहानियाँ एवं नाटक**

सत्रांत परीक्षा - 60 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

**सूचना :**

कुल अंक - 60

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (6 में से कोई 4 )	(12)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(12)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(12)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(12)

**अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा**

( अंक – 20 )

प्रश्न – 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 08 अंक

प्रश्न – 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) – 12 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नलाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –I

**Subject: DSC –II भाषा विज्ञान**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -I

## DSC –II भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

### 1.1 प्रस्तावना :-

भाषा मनुष्य को प्राप्त सबसे बड़ी देन है। भाषा के कारण ही मनुष्य अन्य प्राणियों से अलग अस्तित्व रखता है। भाषा की अपनी विशिष्ट रचना होती है। जिसमें हर स्वन से लेकर वाक्य तक और उस वाक्य के अर्थ तक एकसूत्रता होती है। अर्थात् इसमें एक शास्त्र छूपा होता है। इसके लिए उसमें वैज्ञानिकता होती है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम में भाषा की उत्पत्ति, उसकी वैज्ञानिकता से लेकर स्वन, रूप, वाक्य एवं अर्थ तक की संरचना का अध्ययन किया गया है। साथ ही परिवेशगत बोली-भाषा के अध्ययन को महत्व देकर भाषा के विकास में स्थानीय बोली में संशोधन दृष्टि की नई राह विकसित करने का प्रयत्न किया गया है।

### पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course ) :-

1. भाषा और भाषा विज्ञान के संदर्भ में जानकारी देना।
2. रूप विज्ञान से परिचित करना।
3. वाक्य निर्मित प्रक्रिया से अवगत कराना।
4. अर्थ विज्ञान को समझाना।
5. छात्रों को अपने-अपने स्थान विशेष की ध्वनितत्व से परिचित कराना।

### 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course ) :-

1. छात्रों को भाषा और भाषा विज्ञान के संदर्भ में जानकारी प्राप्त होती है।
2. छात्र हिंदी भाषा के रूप विज्ञान परिचित होता है।
3. छात्र वाक्य निर्मित की प्रक्रिया जान सकते हैं।
4. छात्रों में अर्थविज्ञान की रुचि निर्माण होगी।
5. छात्रों में बोली के समीक्षण अध्ययन से शब्द प्रमाण और भाषा सौंदर्य से परिचित करवाना।

### 1.4. पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes ) :-

#### साहित्य :-

1. छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी।
2. छात्र हिंदी के मूर्धन्य भाषावैज्ञानिकों से परिचित होंगे।
3. छात्रों में राष्ट्र तथा सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना बढ़ेगी।

#### भाषा :-

1. छात्रों की विचारक्षमता और कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा और इसी के साथ भाषा के तुलनात्मक लेखन की क्षमता प्राप्त करेगा।

### 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes ) :-

1. छात्रों को विभिन्न भाषिक कौशल सीखने में मदद होगी। जैसे- लेखन, पठन, उच्चारण और संभाषण आदि।
2. छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं से अवगत होगा।

### 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा।

### 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधि ( Duration of the Course ) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधि चार सत्रों में विभाजित होगा। जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी।

### 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधि ( Duration of Course ) :-

एम . ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

**1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धति ( Modes of Internal Evaluation ) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परीक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

**1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी**

**वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर**

**DSC – II भाषा विज्ञान**

Credits: Theory-04

Contact Hours: 60

**Course Structure**

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र क्रं. Paper No.	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
I	DSC -II	भाषा विज्ञान	60	40	60	100	04

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -I

DSC –II भाषा विज्ञान

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

**इकाई 1:भाषा विज्ञान**

( Credit : 1 ) 15

1. भाषा की परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा संरचना और उसके स्तर, भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार
2. भाषा विज्ञान-परिभाषा ,स्वरूप एवं व्याप्ति
3. अध्ययन की दिशाएँ-वर्णनात्मक, ऐतिहासिक और तुलनात्मक
4. स्वन विज्ञान-स्वन विज्ञान का स्वरूप और शाखाएँ, स्वन की परिभाषा,स्वर एवं व्यंजनों का वर्गीकरण(स्वनों का वर्गीकरण)

**इकाई 2 :रूप विज्ञान**

( Credit : 1 ) 15

1. रूप विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, शब्द और पद
2. रूपिम की अवधारणा एवं उसकी विशेषताएँ
3. रूपिम के भेद- (अ)संरचना की दृष्टि से -मुक्त, आबद्ध,संपृक्त  
(आ)अर्थ की दृष्टि से-अर्थदर्शी और संबंधदर्शी

**इकाई 3:वाक्य विज्ञान**

( Credit : 1 ) 15

1. वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप
2. वाक्यार्थ बोध की प्रक्रिया : :(अ) आभिहितान्वय वाद  
(आ) आन्विताभिधान वाद
3. वाक्य रचना के आधार-चयन,पदक्रम, अध्याहार
4. वाक्य भेद

**इकाई:4 अर्थ विज्ञान**

( Credit : 1 ) 15

- 4.1. अर्थ विज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप
- 4.2. अर्थबोध (संकेत ग्रह) के साधन-भारतीय एवं पाश्चात्य विचारकों के मतानुसार
- 4.3.अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ
- 4.4.अर्थ परिवर्तन के कारण
- 4.5. भाषा का परिवेशगत अध्ययन
- 4.5.1 स्थानीय बोली का सौंदर्यगत अध्ययन
- 4.5.2 बोली की व्यापकता से भाषा प्रमाण का अध्ययन
- 4.5.3 शब्द प्रमाण से भाव स्पष्टीकरण का अध्ययन

**संदर्भ सूची :-**

1. भाषा विज्ञान-डॉ. भोलानाथ तिवारी , किताब महल , इलाहाबाद।
- 2.भाषा विज्ञान की भूमिका-डॉ.देवेंद्रनाथ शर्मा
3. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ.धीरेंद्र वर्मा
- 4.हिंदी भाषा उद्भव और विकास-डॉ.उद् यनारायण तिवारी

5 भाषा विज्ञान —डॉ. अंबादास देशमुख , आरती प्रकाशन , औरंगाबाद

6 आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत — डॉ. रामकिशोर , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद ।

**वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत्त) , सोलापुर.**

**प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )**

**सत्र — I**

**DSC —II भाषा विज्ञान**

**सत्रांत परीक्षा - 60 Marks (Max. Time 2.30 Hours)**

**सूचना :**

**कुल अंक - 60**

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

---

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (6 में से कोई 4 )	(12)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(12)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(12)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(12)

**अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा**

**( अंक — 20 )**

प्रश्न — 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 08 अंक

प्रश्न — 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) — 12 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –I

**Subject: DSC –III प्रयोजनमूलक हिंदी**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -I

## DSC –III प्रयोजनमूलक हिंदी

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

### 1.1 प्रस्तावना :-

प्रयोजनमूलक हिंदी अर्थात कामकाजी हिंदी जिसे व्यावहारिक हिंदी भी कहते हैं। इसका उपयोग कार्यालय में कामकाज के लिए होता है। भारत में राजभाषा के रूप में हिंदी भाषा को स्थान दिया गया है। जिसके अंतर्गत केंद्र सरकार के सभी कार्यालयों में कामकाज करने का प्रावधान है। अतः मातृभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, संचार भाषा को समझाते हुए राजभाषा की संवैधानिक स्थिति तथा कामकाजी हिंदी एवं उसके लिए प्रयुक्त पारिभाषिक स्थिति का अध्ययन किया जाएगा। साथ इस प्रश्नपत्र में पल्लवन के संदर्भ में विस्तार से जानकारी विद्यार्थियों को हो जाएगी। इससे विद्यार्थी किसी भी संक्षिप्त पाठ अंश का विस्तार करने में सक्षम हो जाएंगे। यह पाठ्यक्रम केवल प्रथम सत्र के लिए निर्धारित किया गया है। द्वितीय स्तर के लिए संगणक से संबंधित विषय है।

### पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course) :-

1. छात्रों को कामकाजी हिंदी से परिचित कराना।
2. छात्रों को भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित कराना।
3. छात्रों को राजभाषा की संवैधानिक स्थिति से अवगत कराना।
4. छात्रों को पारिभाषिक शब्दावली से परिचित कराना।
5. छात्रों को पल्लवन की विधी से परिचित कराना।

### 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course) :-

- 1 छात्र कामकाजी हिंदी से परिचित होंगे।
- 2 छात्र भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे।
- 3 छात्र राजभाषा की संवैधानिक स्थिति से परिचित होंगे।
- 4 छात्र पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होंगे।
- 5 छात्र पल्लवन की विधी से अवगत होगा।

### 1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes) :-

#### साहित्य :-

- 1 छात्रों में प्रयोजनमूलक हिंदी या कामकाजी हिंदी के प्रति अभिरुचि बढेगी।
- 2 छात्र व्यावहारिक हिंदी का प्रत्यक्ष प्रयोग कर सकने में सक्षम होगा।

#### भाषा :-

- 1 छात्र कार्यालयीन कामकाज तथा पारिभाषिक शब्दावली के माध्यम से कार्यालय में उपयोग करने की क्षमता बढेगी।
- 2 छात्र किसी भी संक्षिप्त अंश को विस्तार रूप देने में सक्षम होगा।

### 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes ) :-

- 1 छात्रों को विभिन्न कार्यालयीन हिंदी सीखने में मदद होगी।
- 2 छात्र विभिन्न कामकाजी हिंदी से अवगत होगा।

### 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा।

### 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधी ( Duration of the Course ) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधी चार सत्रों में विभाजित होगा। जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी।

### 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधी ( Duration of Course ) :-

एम . ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

**1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धति ( Modes of Internal Evaluation ) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परीक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

**1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी**

**वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर**

**DSC – III प्रयोजनमूलक हिंदी**

Credits: Theory-04

Contact Hours: 60

**Course Structure**

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र क्रं. Paper No.	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
I	DSC – III	प्रयोजनमूलक हिंदी	60	40	60	100	04

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -I

## DSC – III प्रयोजनमूलक हिंदी

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

### इकाई – I कामकाजी हिंदी का स्वरूप (Credit :1) 15

- 1 हिंदी के विभिन्न रूप - मातृभाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा , संचार भाषा , सर्जनात्मक भाषा।
- 2 विश्वभाषा के रूप में हिंदी का अध्ययन ।

### इकाई:II राजभाषा विषयक संविधानिक प्रावधान (Credit :1) 15

- 1 राजभाषा अधिनियम (अनु . 343 से 351 तक )
- 2 राष्ट्रपति के अधेश (1952, 1955, 1960)
- 3 राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967)
- 4 राजभाषा संकल्प (1968) यथानुमोदित 1991)
- 5 राजभाषा नियम 1976 द्विभाषा नीति और त्रिभाषा सूत्र
- 6 अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी , हिंदी के प्रचार-प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका ।

### इकाई III कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख कार्य (Credit :1) 15

- 1 प्रारूपण : प्रारूपण का अर्थ , परिभाषा एवं महत्व  
प्रारूपण की विधि , प्रारूपण के अंग, अच्छे प्रारूपण की विशेषताएँ ।
2. टिप्पण ( टिप्पणी ) :  
अर्थ एवं परिभाषाएँ  
टिप्पण के प्रकार , टिप्पण की विशेषताएँ
- 3.1 संक्षेपण :  
अर्थ , परिभाषा एवं स्वरूप  
संक्षेपण की आवश्यकता , संक्षेपण विधि , सफल संक्षेपण के गुण , संक्षेपण के प्रकार
- 3.2 पल्लवन :-  
3.2.1 अर्थ , परिभाषा , स्वरूप  
3.2.2 पल्लवन की विधि  
3.2.3 पल्लवन की विशेषताएँ  
3.2.4 पल्लवन के नियम
4. विज्ञापन :  
विज्ञापन — अर्थ , परिभाषा एवं स्वरूप , विज्ञापन लेखन , विज्ञापन अनुवाद

### इकाई IV पारिभाषिक शब्दावली : (Credit :1) 15

- 1 . परिभाषा , स्वरूप एवं महत्व
- 2 . ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली तथा वाक्यांश का अध्ययन ( परिशिष्ट में निर्धारित )

### संदर्भ सूची :-

- 1 प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम — डॉ. अंबादास देशमुख
- 2 प्रारूपण , टिप्पण , प्रूफ पठन — डॉ. भोलानाथ तिवारी , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 3 प्रारूपण , टिप्पण , प्रूफ पठन — डॉ. विजय कुलश्रेष्ठ , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 4 प्रयोजनमूलक हिंदी : विविध परिदृश्य — डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी एवं डॉ. पवन अग्रवाल , अलका प्रकाशन , कानपुर ।
- 5 भाषा विज्ञान — डॉ. अंबादास देशमुख , आरती प्रकाशन , औरंगाबाद
- 6 आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत — डॉ. रामकिशोर , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद ।

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत्त) , सोलापुर.

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )

सत्र – I

DSC –III प्रयोजनमूलक हिंदी

सत्रांत परीक्षा - 60 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

---

सूचना :

कुल अंक - 60

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (6 में से कोई 4 )	(12)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(12)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(12)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(12)

अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा

( अंक – 20 )

---

प्रश्न – 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 08 अंक

प्रश्न – 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) – 12 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नलाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –I

**Subject: DSC –IV हिंदी साहित्य और सिनेमा- I**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 02

नियत तासिकाएँ : 30

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -I

## DSC –IV हिंदी साहित्य और सिनेमा-I

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 02

नियत तासिकाएँ : 30

### 1.1 प्रस्तावना :-

साहित्य और सिनेमा का गहरा संबंध है। इसका कारण दोनों का संबंध जनता से है। सिनेमा अन्य कलाओं की तुलना में आधुनिक कला है। नवीनता होकर भी यह अंत्यत प्रभावशाली जनधर्मी कला है। इस दृष्टि से सिनेमा का समाज से वही रिश्ता होता है, जो साहित्य का समाज से है। संगीत, साहित्य, चित्र, शिल्प और नृत्य जैसी विभिन्न कलाओं के समन्वय तथा आधुनिक नित-नए यांत्रिक उपादानों की सहायता से निर्मित होकर सिनेमा ने अपना स्वतंत्र एवं प्रभाव स्थापित किया है। सिनेमा अन्य कलाओं की तरह मनोरंजन प्रधान होने के साथ- साथ जनसंचार एवं जनशिक्षा का प्रभावशाली माध्यम रहा है। हिलते-डुलते चित्रों से आरंभ हुई सिनेमा की विकास यात्रा आज भी अनवरत जारी है। सिनेमा के विकास में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अनेक साहित्यिक रचनाओं ने सिनेमा के लिए कथातत्व दिया है। अतः साहित्य एवं सिनेमा के अंतः संबंधों को समझते हुए फिल्ममांतरण हुए हिंदी साहित्य का अध्ययन आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम में साहित्यिक विधाओं के अतिरिक्त जनसामान्य की अभिव्यक्ति में सिनेमा का स्थान और उसकी आवश्यकता को विद्यार्थियों के लिए वार्ता की नई दृष्टि के रूप में अभ्यंत कराया गया है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत प्रश्नपत्र रखा गया है।

### 1.2 पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course) :-

1. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्रों को परिचित कराना।
2. हिंदी सिनेमा के स्वरूप सज छात्रों को परिचित कराना।
3. सिनेमा की निर्मित प्रक्रिया से परिचित होना।
4. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्ममांतरण की प्रक्रिया से अवगत होना।
5. साहित्य से सिनेमा के थीम की निर्माणियता में भावाधार से परिचित कराना।

### 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course) :-

1. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्र परिचित होते हैं।
2. हिंदी सिनेमा के स्वरूप को समझते हैं।
3. सिनेमा की निर्मित प्रक्रिया से परिचित होते हैं।
4. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्ममांतरण की प्रक्रिया से अवगत होते हैं।
5. पटकथा लेखन में भावसूक्ति के नए दृष्टि से परिचित कराना।

### 1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes) :-

#### साहित्य :-

- 1 छात्रों में साहित्य लेखन के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी।
- 2 छात्र भाववृद्धि कर सकने में सक्षम होगा।

#### भाषा :-

- 1 छात्रों में सिनेमा परीक्षण करने की क्षमता बढ़ेगी।
- 2 छात्र अन्य साहित्य से हिन्दी में दृश्याकंन को रूप देने में सक्षम होगा।

### 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes) :-

- 1 छात्रों को सिनेमा की प्रक्रिया सीखने में मदद होगी।
- 2 छात्र भाववृद्धि के साथ परिवेश की भाषिक शब्दावली से अवगत होगा।

### 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा।

### 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधि ( Duration of the Course) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधि चार सत्रों में विभाजित होगा। जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी।

### 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधि ( Duration of Course) :-

एम . ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

**1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धति ( Modes of Internal Evaluation ) :-**

असाइनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परीक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

**1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी**

**वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर**  
**DSC – IV: हिंदी साहित्य और सिनेमा-I**

Credits: Theory-02

Contact Hours: 30

**Course Structure**

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र क्रं. Paper No.	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
I	DSC – IV	हिंदी साहित्य और सिनेमा-I	30	20	30	50	02

**इकाई – I सिनेमा का स्वरूप**

(Credit :1 ) 15

1. सिनेमा का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
2. सिनेमा के प्रकार
3. सिनेमा की निर्माण-प्रक्रिया

**इकाई:2 हिंदी सिनेमा का उद्भव और विकास**

(Credit :1 ) 15

1. सिनेमा का विकासात्मक परिचय
2. सिनेमा का आरंभिक युग/मुक सिनेमा
- 3.सवाक सिनेमा
4. स्वातंत्र्योत्तर सिनेमा
5. वर्तमान समय में सिनेमा

**संदर्भ ग्रंथ सूची -**

1. हिंदी सिनेमा का सफर - अनिल भार्गव
2. हिंदी सिनेमा का जादुई सफर- प्रताप सिंह
3. साहित्य और सिनेमा -सं.शैलजा भारद्वाज
4. भारतीय चलचित्र-डॉ.महेन्द्र मित्तल
5. समय, सिनेमा और इतिहास-संजीव श्रीवास्तव

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर.

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )

सत्र – I

DSC IV: हिंदी साहित्य और सिनेमा-I

सत्रांत परीक्षा – 30 Marks (Max. Time 1.30 Hours)

सूचना :

कुल अंक - 30

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (5 में से कोई 3 )	(06)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(06)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(06)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(06)

अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा

( अंक – 10 )

प्रश्न – 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 04 अंक

प्रश्न – 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) – 06 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नलाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –I

**Subject: DSE - I व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता- I**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -I

DSE - I व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता- I

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

## 1.1 प्रस्तावना :-

पत्रकारिता को गणतंत्र के चतुर्थ स्तंभ के रूप में जाना जाता है। गणतंत्र को सुचारू और जनाभिमुख बनाने का कार्य पत्रकारिता करती है। इस पाठ्यक्रम में पत्रकारिता के विभिन्न अंगों टर चर्चा की जाएगी। जिसमें उसका स्वरूप एवं महत्व के साथ-साथ पत्रकारिता के तत्वों तथा उसकी भाषा के बारे में अध्ययन किया जाएगा। पत्रकारिता समाज का एक विशिष्ट अंग होता है। पत्रकारिता जहाँ विविध विषयों से संबंधित है वैसे ही सिनेमा, समाज का विविधांगी भाव प्रकटीकरण एक साधन है। जिसमें समाज के विविध पक्षों को दृश्यांकन किया जाता है। अतः सिनेमा को मनोरंजन के साथ शिक्षा का साधन मानकर छात्रों में नई दृष्टि की उपज कराई है।

### पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course ) :-

1. छात्रों को पत्रकारिता का स्वरूप, प्रकार और महत्व को समझाना।
2. छात्रों को पत्रकारिता के उद्भव और विकास से परिचित कराना।
3. छात्रों को पत्रकारिता के मूल तत्वों से अवगत कराना।
4. छात्रों को पत्रकारिता की भाषा से परिचित कराना।
5. संवाददाता की अर्हता एवं कार्य प्रणाली से अवगत होना।
6. छात्रों को स्थानीय परिवेश से अवगत कराकर सामाजिक सामंजस्य स्थापित करने में सहयोग देना।

### 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course ) :

1. पत्रकारिता के स्वरूप, प्रकार और महत्व से परिचित हो जाते हैं।
2. पत्रकारिता के उद्भव और विकास से अवगत होते हैं।
3. पत्रकारिता के मूल तत्वों से परिचित हो जाते हैं।
4. छात्रों को दृश्याभीत व्यवहार से वैज्ञानिकता के संसाधनों से परिचित करवाना।
5. छात्रों में संशोधक वृत्ति से परिचित करवाना।

### 1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes ) :-

#### साहित्य :-

- 1 छात्रों में कामकाजी हिंदी के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी।
- 2 छात्र व्यावहारिक हिंदी का प्रत्यक्ष प्रयोग कर सकने में सक्षम होगा।

#### भाषा :-

1. छात्र किसी भी संक्षिप्त अंश को विस्तार रूप देने में सक्षम होगा।

### 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes ) :-

- 1 छात्रों को विभिन्न साहित्य के परिक्षण की वृत्ति को बढ़ावा मिलेगा।
- 2 छात्र कामकाजी हिंदी से अवगत होगा।

### 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा।

### 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधि ( Duration of the Course ) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधि चार सत्रों में विभाजित होगा। जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी।

### 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधि ( Duration of Course ) :-

एम. ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा। प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परिक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे।

**1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती ( Modes of Internal Evaluation ) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

**1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी**

**वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर**

**DSE - I व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता- I**

Credits: Theory-04

Contact Hours: 60

**Course Structure**

सत्र )Semester)	प्रश्नपत्र )Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
I	DSE-I	व्यावसायिक वर्ग: पत्रकारिता भाग -I	60	40	60	100	04

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -I

DSE - I व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता- I

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

**इकाई - I पत्रकारिता रूप और विकासस्व :** (Credit :1) 15

- .1पत्रकारिता स्वरूप और ,परिभाषा:प्रकार
- .2भारत में पत्रकारिता का आरंभ
- .3हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास

**इकाई: 2 संवाददाता और समाचार** (Credit :1) 15

- .1संवाददाता की आर्हता
- .2श्रेणी और कार्य पद्धति
- .3समाचार के विविध स्रोत

**इकाई 3 समाचार के तत्व एवं संपादन कला** (Credit :1) 15

- .1समाचार पत्रकारिता के मूल तत्व खन के मुख्य आयामसमाचार संकलन तथा ले :
- .2संपादन कला के सामान्य सिद्धांतआमुख और समाचार प ,पृष्ठ विन्यास ,शीर्षकीकरण :त्र की प्रस्तुतिप्रक्रिया-

**इकाई 4 पत्रकारिता: सृजनात्मक आयाम** (Credit :1) 15

- 4.1. पत्रकारिता से संबंधित लेखन: संपादकीय ,फीचर, रिपोर्टाज, साक्षात्कार, खोजी समाचार, अनुवर्तन आदि की प्रविधि
- 4.2. समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना
- 4.3. फिल्म समीक्षा
- 4.3.1 फिल्म समीक्षा का स्वरूप, प्रकार
- 4.3.2 फिल्म तत्वों पर संसाधन दृष्टि
- 4.3.3 फिल्म और भाष्यभाव का मूल्यांकन

**संदर्भ सूची :-**

- 1.पत्रकारिता : इतिहास और प्रश्न-कृष्णबिहारी मिश्र
2. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य- राजकिशोर
3. हिंदी साहित्य और सिनेमा- सं.शैलजा भारद्वाज
4. भारतीय चलचित्र- महेंद्र मित्तल
- 5 पत्रकारिता के नये आयाम — एस. के. दुबे , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली
- 6 पत्रकारिता का विकास — एन. सी. पी. पंत , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर.

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )

सत्र – I

DSE - I व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता- I

सत्रांत परीक्षा - 60 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

सूचना :

कुल अंक - 60

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (6 में से कोई 4 )	(12)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(12)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(12)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(12)

अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा

( अंक – 20 )

प्रश्न – 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 08 अंक

प्रश्न – 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) – 12 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नलाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –I

**Subject: RM - I अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

**प्रस्तावना :-**

मनुष्य विकास के विभिन्न पड़ाव को जब हम देखते हैं तो यह अनुभव करते हैं कि मनुष्य अपने प्रारंभिक अवस्था से जिज्ञासु रहा है। जिसने आदिम अवस्था से आज तक विभिन्न पड़ावों से गुजरते हुए एक विशिष्ट मुकाम प्राप्त किया है। जीवन उपयोगी सभी भौतिक वस्तुओं का संकलन करते हुए निरंतर नये ज्ञान की प्राप्ति वह करता हुआ दिखाई देता है। इन सभी के पीछे उसकी शोधवृत्ति ही प्रमुख रही है। प्रस्तुत प्रश्नपत्र अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया के अंतर्गत अनुसंधान प्रविधि तथा प्रक्रिया को लेकर विस्तार से चिंतन किया जा रहा है।

अनुसंधान के प्रतिपादन में तथ्यों का संकलन, परीक्षण और सही उपयोग अनिवार्य है। सत्य की प्रतिष्ठा के लिए यह एक प्रक्रिया है जिसके द्वारा शोध की अथ और इति को मिलाया जाता है। तथ्यों को प्रमाणिकता की तुला पर तौलकर जब शोधार्थी लक्ष्योंमुख होता है तो उसकी निष्ठा, प्रतिभा और कौशल का योग तथ्य में से सत्य की स्थापना करता है। तथ्य सत्य की जानकारी के लिए आवश्यक होता है इसलिए इसका अध्ययन आवश्यक है।

**पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course ) :-**

- 1 छात्रों को अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया परिचित कराना।
- 2 अनुसंधान की पद्धति से परिचित कराते हुए अनुसंधान करने हेतु छात्रों को सक्षम बनाना।
- 3 साहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत कराना।
- 4 अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का महत्व एवं उसकी उपयोगिता छात्रों को अवगत कराना।
- 5 अनुसंधान के क्षेत्र में तथ्यों का उपयोग के बारे में अवगत कराना।

**1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course ) :-**

- 1 छात्र अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया से परिचित हो जाते हैं।
- 2 अनुसंधान की पद्धति को समझकर अनुसंधान करने हेतु छात्र सक्षम होते हैं।
- 3 साहित्यिक अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्रों से अवगत होते हैं।
- 4 अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का महत्व एवं उसकी उपयोगिता को समझते हैं।
- 5 अनुसंधान में तथ्यों की उपयोगिता को समझते हैं।

**1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes ) :-**

**साहित्य :-**

- 1 छात्रों में अनुसंधान की प्रक्रिया एवं प्रविधि के प्रति अभिरुचि बढेगी।
- 2 छात्रों में अनुसंधान करने की क्षमता बढेगी।
- 3 छात्र अनुसंधान करते समय संगणक का उपयोग करने की रुचि बढेगी।
- 4 छात्रों में अनुसंधान में तथ्यों का उपयोग करने की क्षमता बढेगी।

**भाषा :-**

- 1 छात्र में अनुसंधान करने शक्ति बढेगी।
- 2 छात्रों में अनुसंधान की पद्धतियों का प्रयोग करने की शक्ति बढेगी
- 3 छात्र अनुसंधित विषय को न्याय प्रदान करने में सक्षम होगा।
- 4 छात्रों में अनुसंधित विषयों में तथ्यों का उपयोग करते हुए सत्य को उदघाटित करने की क्षमता बढेगी।

**1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes ) :-**

- 1 छात्रों को विभिन् अनुसंधान पद्धति एवं प्रक्रिया सीखने में मदद होगी।
- 2 छात्र अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्र से अवगत होगा।
- 3 छात्र अनुसंधान के क्षेत्र में संगणक का उपयोग की क्षमता से अवगत होगा।
- 4 छात्रों में शोध कार्य में तथ्यों के उपयोग से अवगत होगा।

**1.6 प्रवेश योग्यता :-** एम. ए. भाग — एक में उत्तीर्ण विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा।

**1.7 पाठ्यक्रम की कालावधी ( Duration of the Course ) :-**

एम. ए. भाग — दो हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधी दो सत्रों में विभाजित होगा। जिसकी पूर्णावधि एक वर्ष में होगी।

**1.8 द्वितीय वर्ष पाठ्यक्रम कालावधि ( Duration of Course ) :-**

एम . ए. द्वितीय वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

**1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धति ( Modes of Internal Evaluation ) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परीक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

**1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी**

**वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर**

**RM - I अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया**

**Course Structure**

Credits: Theory-04

Contact Hours: 60

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र (Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
I	RM-I	अनुसंधान प्रविधि और प्रक्रिया	60	40	60	100	04

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -I

## RM - I अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

### इकाई – I अनुसंधान : परिभाषा एवं अवधारणा

( Credit:1) 15

- अनुसंधान का अर्थ , परिभाषा एवं स्वरूप
- अनुसंधान का महत्व
- अनुसंधान का उद्देश्य
- अनुसंधान के प्रकार –  
1 साहित्यिक अनुसंधान 2 साहित्येत्तर अनुसंधान

### इकाई:II अनुसंधान की पद्धतियाँ :

( Credit:1) 15

- 1 वर्णनात्मक 2 ऐतिहासिक 3 तुलनात्मक
- अनुसंधान कर्ता के गुण
  - शोध निर्देशक के गुण

### इकाई III अनुसंधान प्रक्रिया के चरण :

( Credit:1) 15

- 1 विषय चयन 2 रूपरेखा निर्धारण 3 . सामग्री संकलन 3 सामग्री वर्गीकरण –विभाजन 4 सामग्री विश्लेषण 4 निष्कर्ष
- अनुसंधान और कंप्यूटर
  - शोध प्रबंध लेखन प्रविधि : शोध प्रबंध शीर्षक , रूपरेखा , भूमिका लेखन , अध्याय विभाजन , संदर्भ उल्लेख , सहायक ग्रंथ सूची , टंकन , वर्तनी सुधार

### इकाई IV

( Credit:1) 15

- अनुसंधान और आलोचना
- अनुसंधान और कविता
- अनुसंधान और कथा साहित्य
- अनुसंधान और कथेतर साहित्य
- अनुसंधान और तुलनात्मक साहित्य

### संदर्भ सूची :-

- 1 हिन्दी शोध तंत्र की रूपरेखा – डॉ. मनमोहन सहगल
- 2 शोध प्रविधि – विनयमोहन शर्मा
- 3 शोध प्रविधि – डॉ हरिश्चंद्र वर्मा
- 4 अनुसंधान विवेचन – डॉ. उदयभानु सिंह
- 5 अनुसंधान प्रविधि सिद्धांत और प्रक्रिया – एस. एन. गणेशन
- 6 साहित्य सिद्धांत और शोध – डॉ. आनंदप्रकाश दीक्षित
- 7 शोध विज्ञान कोश – डॉ. दु. का. संत
- 8 नवीन शोध विज्ञान – डॉ. तिलक सिंह
- 9 अनुसंधान की प्रक्रिया – डॉ सावित्री सिन्हा और डॉ. विजयेंद्र स्नातक

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत्त) , सोलापुर.

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )

सत्र – I

RM - I अनुसंधान प्रविधि एवं प्रक्रिया

सत्रांत परीक्षा - 60 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

सूचना :

कुल अंक - 60

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं ।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (6 में से कोई 4 )	(12)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(12)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(12)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(12)

अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा

( अंक – 20 )

प्रश्न – 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 08 अंक

प्रश्न – 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) – 12 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नलाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –II

**Subject: DSC –V आधुनिक हिंदी निबंध और उपन्यास**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र - II

## DSC –V आधुनिक हिंदी निबंध और उपन्यास

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

### 1.1 प्रस्तावना :-

आधुनिक काल में गद्य साहित्य को अभूतपूर्व सफलता मिली है। यह मानव मन और मस्तिष्क की अभिव्यक्ति का सशक्त एवं अनिवार्य माध्यम बन गया है। मनुष्य के राग-विराग, तर्क-चिंतन तथा चिंतन-मनन जिस रागात्मकता के साथ कौशल पूर्ण ढंग से गद्य में अभिव्यक्ति होता है, वैसा अन्य साहित्य विधा में नहीं। आधुनिक काल में गद्य के विविध रूपों का विकास इसका साक्ष्य है कि प्रौढ मन, मस्तिष्क की पूर्ण अभिव्यक्ति गद्य में ही संभव है। निबंध गद्य का प्रौढ, शक्तीशाली प्रतिरूप, उसकी व्यक्ति एवं स्वतंत्र चेतना का विश्वसनीय प्रतिनिधि है। नाटक, उपन्यास, कहानी तथा अन्य विविध विधाओं के रूप में गद्य साहित्य व्यापक बन गया है। इसलिए स्नातकोत्तर भाग एक, द्वितीय सत्र के लिए आधुनिक हिंदी निबंध और उपन्यास प्रश्नपत्र रखा गया है। आज मनुष्य को उसकी प्रकृति परिवेश, परिस्थिति तथा चिंतन के विकास के साथ सहज प्रामाणिक रूप में गद्य के माध्यम से ही जाना जा सकता है। प्रत्येक सत्र में यह प्रश्नपत्र चार विभागों में विभाजित है।

### पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course) :-

1. छात्रों को हिंदी गद्य साहित्य से परिचित कराना।
2. छात्रों को हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन कराना।
3. छात्रों में राष्ट्र के प्रति प्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित करना।
4. छात्रों में हिंदी गद्य विधा से रुचि निर्माण कराना।
5. तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से रू-ब-रू कराना।
6. छात्रों को कहानी की समीक्षा, नाटक का मंचन, निबंध लेखन कला तथा उपन्यास विधा के तत्व से परिचित कराना।

### 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course) :-

1. छात्र हिंदी गद्य साहित्य से परिचित होंगे।
2. छात्र हिंदी गद्य साहित्य की विविध विधाओं का अध्ययन-मनन करेंगे।
3. छात्रों में राष्ट्रप्रेम और सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना विकसित होगी।
4. छात्रों में गद्य विधा के प्रति रुचि निर्माण होगा।
5. छात्र तत्कालीन भारतीय सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवेश से परिचित होगा।
6. छात्र कहानी की समीक्षा, नाटक का मंचन तथा निबंध लेखन कला से तथा उपन्यास विधा के तत्व से परिचित होंगे।

### 1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes) :-

#### साहित्य :-

1. छात्रों में हिंदी साहित्य के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी।
2. छात्र हिंदी के मूर्धन्य रचनाकारों ( कवि एवं लेखक) से परिचित होंगे।
3. छात्रों में राष्ट्रप्रेम एवं सामाजिक प्रतिबद्धता की भावना बढ़ेगी।

#### भाषा :-

1. छात्रों की विचारक्षमता और कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा और इसी के साथ कहानी की समीक्षा तथा निबंध लेखन की क्षमता प्राप्त करेगा।
2. छात्र नाटक का मंचन, उपन्यास आदि गद्य विधा से चिंतन-मनन, तर्क, लेखन कला की क्षमता प्राप्त करेगा।

### 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes ) :-

1. छात्रों को विभिन्न भाषिक कौशल सीखने में मदद होगी। जैसे- लेखन, पठन, उच्चारण और संभाषण आदि।
2. छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं से अवगत होगा।

### 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

### 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधी ( Duration of the Course ) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधी चार सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी ।

### 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधी ( Duration of Course ) :-

एम. ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

### 1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धति ( Modes of Internal Evaluation ) :-

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परीक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

### 1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर

सत्र - II

DSC –V आधुनिक हिंदी निबंध और उपन्यास

#### Course Structure

Credits: Theory-04

Contact Hours: 60

सत्र ( Semester)	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
II	DSC-V	आधुनिक हिंदी निबंध और उपन्यास	60	40	60	100	04

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र - II

DSC –V आधुनिक हिंदी निबंध और उपन्यास

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

**इकाई 1 महादेवी वर्मा एवं श्रृंखला की कडियाँ**

( Credit :1) 15

- 1 . महादेवी वर्मा का जीवन परिचय
- 2 . महादेवी वर्मा का साहित्य परिचय
- 3 . श्रृंखला की कडियाँ
- 4 . युद्ध और नारी
- 5 . नारीत्व का अभिशाप
- 6 . आधुनिक नारी

**इकाई 2 श्रृंखला की कडियाँ**

( Credit :1) 15

- 2.1 घर ओर बाहर
- 2.2 हिंदू स्त्री का पत्नीत्व
- 2.3 जीवन का व्यवसाय
- 2.4 स्त्री के अर्थस्वातंत्र्य का प्रश्न
- 2.5 हमारी समस्याएँ
- 2.6 समाज और व्यक्ति
- 2.7 जीने की कला
- 2.8 निबंध लेखन की कला

**इकाई 3 काशीनाथ सिंह और रेहन पर रग्घू ( उपन्यास )**

( Credit :1) 15

- 1 . काशीनाथ सिंह का जीवन परिचय
- 2 . काशीनाथ सिंह का साहित्य परिचय
- 3 . उपन्यास का कथानक
- 4 . उपन्यास के पात्र एवं चरित्र-चित्रण

**इकाई 4 रेहन पर रग्घू ( उपन्यास )**

( Credit :1) 15

- 4.1 उपन्यास की संवाद योजना
- 4.2 उपन्यास में देशकाल वातावरण
- 4.3 उपन्यास की भाषा-शैली
- 4.4 उपन्यास का उद्देश्य
- 4.5 उपन्यास विधा के तत्व

**संदर्भ सूची :-**

- 1 नियत पाठ्यपुस्तक — श्रृंखला कडियाँ ( निबंध संग्रह ) महादेवी वर्मा , लोकभारती प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 2 नियत पाठ्यपुस्तक — रेहन पर रग्घू(उपन्यास)- काशीनाथ सिंह , राजकमल प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 3 महादेवी वर्मा का गद्य — सूर्य प्रसाद दीक्षित , राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 4 . काशीनाथ सिंह का रचना संसार — अंजली कृष्णन ।
- 5 काशी बसे जुलाहा एक — अभिजीत सिंह , आनंद प्रकाशन , कोलकाता — 700007
- 6 हिंदी का गद्य साहित्य — डॉ. रामचंद्र तिवारी , विश्वविद्यालय प्रकाशन , वाराणसी ।
- 7 महादेवी वर्मा : कवि और गद्यकार - लक्ष्मीदत्त गौतम , कोणार्क प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 8 हिंदी के बहुचर्चित उपन्यासकार — अमर जसवाल , विद्या विहार , कानपुर ।
- 9 हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन — डॉ. बाबराय , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली ।

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर.

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )

सत्र - II

DSC –V आधुनिक हिंदी निबंध और उपन्यास

सत्रांत परीक्षा - 60 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

सूचना :

कुल अंक - 60

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (6 में से कोई 4 )	(12)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(12)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(12)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(12)

अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा

( अंक - 20 )

प्रश्न - 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 08 अंक

प्रश्न - 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) - 12 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नालाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –II

**Subject: DSC –VI हिंदी भाषा एवं लिपि**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र - II

## DSC –VI हिंदी भाषा एवं लिपि

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

### प्रस्तावना :-

हिंदी भाषा भारत में सबसे अधिक बोली और समझी जानेवाली भाषा है। जिसके उद्भि और उसके विस्तार भारत के बहुत बड़े प्रदेशों में हुआ है। हिंदी के अंतर्गत कुल सत्रह उपभाषाएँ हैं तथा उसकी लिपि देवनागरी है। भारत के सिवाय हिंदी विश्व के कई देशों में बोली और समझी जाती है। इसके चलते हिंदी का वैश्विक रूप सामने आ गया है। हिंदी भाषा और लिपि का गहराई से अध्ययन जरूरी है। जिसकी जानकारी प्रस्तुत पाठ्यक्रम में हो जाएगी। भाषा बोली का विकसित तथा संग्रहित शब्दों का नाम है। भाषाई अभिव्यक्ति व्यक्ति विशेष होने के कारण स्थानीय ध्वनि गति की पहचान से व्यक्तित्व का विकास इस पाठ्यक्रम की पहचान है।

### पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course ) :-

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से अवगत कराना।
2. हिंदी की उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार से अवगत कराना।
3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था से परिचित कराना।
4. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति एवं उसकी विशेषताओं से अवगत कराना।
5. छात्रों को अपने-अपने स्थान विशेष के बोली के व्याकरण परिचित कराना।

### 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course ) :-

1. छात्रों को हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि की जानकारी प्राप्त होती है।
2. छात्र हिंदी भाषा के उपभाषाओं के भौगोलिक विस्तार को जानते हैं।
3. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था से परिचित हो जाते हैं।
4. देवनागरी लिपि की उत्पत्ति एवं उसकी विशेषताओं से परिचित हो जाते हैं।
5. छात्रों में बोली के समीक्षण अध्ययन से शब्द प्रमाण और भाषा सौंदर्य से परिचित करवाकर विश्व भाषा के तुलनात्मक को बढ़ना।

### 1.4. पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes ) :-

#### साहित्य :-

1. छात्रों में हिंदी भाषा के इतिहास से अवगत कराना।
2. छात्र भाषा के मूर्धन्य भाषावैज्ञानिकों से परिचित होंगे।
3. छात्रों में सामाजिक सौहार्द की भावना बढेगी।

#### भाषा :-

1. छात्रों की विचारक्षमता और कल्पनाशीलता को बढ़ावा मिलेगा और इसी के साथ भाषा के तुलनात्मक लेखन की क्षमता प्राप्त करेगा।

### 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes ) :-

- 1 छात्रों को विभिन्न भाषिक कौशल सीखने में मदद होगी। जैसे- लेखन, पठन, उच्चारण और संभाषण आदि।
- 2 छात्र विभिन्न साहित्यिक विधाओं से अवगत होगा।

### 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा।

### 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधि ( Duration of the Course ) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधि चार सत्रों में विभाजित होगा। जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी।

### 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधि ( Duration of Course ) :-

एम. ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा। प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे।

1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती ( Modes of Internal Evaluation ) :-

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परिक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर

सत्र - II

DSC –VI हिंदी भाषा एवं लिपि

Course Structure

Credits: Theory-04

Contact Hours: 60

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र (Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
II	DSC- VI	हिंदी भाषा एवं लिपि	60	40	60	100	04

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र - II

## DSC –VI हिंदी भाषा एवं लिपि

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

### इकाई – I हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

( Credit:1) 15

1. प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ: वैदिक तथा लौकिक संस्कृत और उनकी विशेषताएँ
2. मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ: पालि, प्राकृत, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ
3. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और वर्गीकरण-हार्नले, ग्रियर्सन (अंतिम वर्गीकरण) चटर्जी और हरदेव बाहरी द्वारा किया गया वर्गीकरण

### इकाई:2 हिंदी का भौगोलिक विस्तार (उपभाषाएँ)

( Credit:1) 15

- 2.1. पश्चिमी हिंदी 2.2. पूर्वी हिंदी 2.3. राजस्थानी हिंदी 2.4. बिहारी हिंदी 2.5. पहाडी हिंदी और उनकी बोलियाँ
- 2.6. भाषाई कौशल – 2.6.1 बोलना 2.6.2 पढ़ना 2.6.3 लिखना 2.6.4 समझना

### इकाई 3 हिंदी का भाषिक स्वरूप

( Credit:1) 15

1. हिंदी की स्वनिम व्यवस्था - स्वनिम की परिभाषा, स्वनिम निर्धारण, स्वनिम और सहस्वन (संस्वन)में अंतर
2. स्वनिम के भेद- खंड्य, खंड्येत्तर
3. हिंदी शब्द रचना- उपसर्ग, प्रत्यय, समास

### इकाई 4 लिपि विज्ञान

( Credit:1) 15

1. लिपि का उद्भव और विकास, खरोष्ठी और ब्राह्मी लिपि का परिचय
2. देवनागरी लिपि का उद्भव और विकास , देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता
3. देवनागरी लिपि की विशेषताएँ, देवनागरी लिपि में सुधार, देवनागरी लिपि का मानकीकरण

### संदर्भ सूची :-

1. भाषा विज्ञान-डॉ. भोलानाथ तिवारी , किताब महल , इलाहाबाद।
2. भाषा विज्ञान की भूमिका-डॉ. देवेन्द्रनाथ शर्मा
3. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
4. हिंदी भाषा उद्भव और विकास-डॉ. उद् यनारायण तिवारी
5. भाषा विज्ञान –डॉ. अंबादास देशमुख , आरती प्रकाशन , औरंगाबाद
6. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ. रामकिशोर , लोकभारती प्रकाशन , इलाहाबाद।
7. भाषा -द्वारिका प्रसाद सक्सेना
8. हिंदी भाषा की लिपि संरचना-डॉ. भोलानाथ तिवारी
9. नागरी लिपि रूप और सुधार-मोहन ब्रिज
10. भाषा विज्ञान -डॉ. तेजपाल चौधरी

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर.

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )

सत्र - II

DSC –VI हिंदी भाषा एवं लिपि

सत्रांत परीक्षा - 60 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

सूचना :

कुल अंक - 60

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (6 में से कोई 4 )	(12)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(12)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(12)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(12)

अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा

( अंक - 20 )

प्रश्न - 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 08 अंक

प्रश्न - 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) - 12 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नलाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –II

**Subject: DSC –VII संगणकीय एवं व्यावहारिक हिंदी**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र - II

DSC –VII संगणकीय एवं व्यावहारिक हिंदी

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

## 1.1 प्रस्तावना :-

आज का युग तकनीकी का युग है। संगणक के बिना अब कोई भी कार्य सुचारू रूप से नहीं चलता। प्रत्येक क्षेत्र में संगणक का उपयोग और उसका महत्व दिनोंदिन बढ़ता ही जा रहा है। इसलिए इस युग को संगणक का युग कहा जाता है। इस संगणक के युग से हिंदी कैसे अलग रह सकता है ? तो हिंदी ने भी संगणक को स्वीकार कर लिया है। वर्तमान में हिंदी के अनेक सॉफ्टवेयर उपलब्ध हो रहे हैं। कार्यालय से लेकर निजी कामकाज में हिंदी का प्रयोग हो रहा है। कई सारे समाचार पत्र, पत्रिकाएँ संगणक पर ऑनलाईन हिंदी के रूप में उपलब्ध हो रहे हैं। इस पाठ्यक्रम में संगणक का उपयोग, जनसंचार माध्यम के विविध रूप के अतिरिक्त इसमें जनसंचार के विविध माध्यम में भाषिक कौशल का प्रयोग से परिचित कराकर रोजगारक्षम के अनुकूल करना है।

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course) :-

1. छात्रों को संगणक में हिंदी के अनुप्रयोग से अवगत कराना।
2. छात्रों को मुद्रित माध्यम के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।
3. छात्रों को इलेक्ट्रॉनिक माध्यम रेडियो के लिए लेखन से अवगत कराना।
4. छात्रों को टेलिविजन की जानकारी देते हुए उसमें किए जानेवाले लेखन से परिचित कराना।
5. छात्रों को जनसंचार के विविध माध्यम में भाषिक कौशल से परिचित कराना।

## 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course) :-

1. छात्र संगणक में हिंदी के अनुप्रयोग से अवगत होंगे।
2. छात्र मुद्रित माध्यम के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।
3. छात्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम रेडियो के लिए लेखन से परिचित होंगे।
4. छात्र टेलिविजन की जानकारी देते हुए उसमें किए जानेवाले लेखन से अवगत होगा।
5. छात्र जनसंचार के विविध माध्यम में भाषिक कौशल से परिचित होंगे।

## 1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes) :-

### साहित्य :-

1. संगणक में हिंदी अनुप्रयोग के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी।
2. छात्र जनसंचार के विविध माध्यम में भाषिक प्रयोग का प्रत्यक्ष प्रयोग कर सकने में सक्षम होगा।

### भाषा :-

1. संगणक में हिंदी का अनुप्रायोग करने की क्षमता बढ़ेगी।
2. छात्र जनसंचार के विविध माध्यम में भाषिक कौशल का प्रयोग करने में सक्षम होगा।

## 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes ) :-

1. छात्रों को हिंदी में संगणक का अनुप्रायोग सीखने में मदद होगी।
2. छात्र जनसंचार के विविध माध्यम में भाषिक कौशल का प्रयोग सीखने में मदद होगी।

## 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा।

## 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधि ( Duration of the Course ) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधि चार सत्रों में विभाजित होगा। जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी।

## 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधि ( Duration of Course ) :-

एम. ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा। प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे।

## 1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धती ( Modes of Internal Evaluation ) :-

असाईनमेंट, ट्यूटोरियल, प्रस्तुतिकरण, बहुविकल्पी प्रश्न, मौखिक परीक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।

1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर

सत्र - II

DSC –VII संगणकीय एवं व्यावहारिक हिंदी

Course Structure

Credits: Theory-04

Contact Hours: 60

सत्र	प्रश्नपत्र (Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
II	DSC-VII	संगणकीय एवं व्यावहारिक हिंदी	60	40	60	100	04

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र - II

DSC –VII संगणकीय एवं व्यावहारिक हिंदी

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

## इकाई – 1 संगणकीय हिंदी : सामान्य स्वरूप

( Credit:1) 15

- 1 संगणक : परिचय , क्षेत्र , रूपरेखा, उपयोग
- 2 इंटरनेट: उपकरणों का परिचय , प्रयोग विधि , प्रकार्यात्मक रख- रखाव
- 3 इंटरनेट – समय मितव्ययिता के सूत्र
- 4 वेब पब्लिशिंग – परिचय एवं महत्व
- 5 लिंक , ब्राऊजिंग , ई-मेल प्रेषण एवं प्राप्ति , हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल , डाऊनलोडिंग एवं अपलोडिंग , हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज , हिंदी वेब साइट्स , हिंदी वेब पत्रिकाएँ ।

## इकाई:2 मुद्रित माध्यम : सामान्य स्वरूप

( Credit:1) 15

मुद्रित माध्यम : 1 मुद्रित भाषा की प्रकृति 2 समाचार पत्र 3 पत्रिकाओं में रिपोर्ट लेखन 4 समाचार संपादन (लेखन) के आधारभूत तत्व

शीर्षक संरचना : 1 लीड 2 इंट्रो एवं शीर्षक संपादन 3. शीर्षक के प्रकार  
मीडिया लेखन :

- 1 . संपादकीय लेखन 2. पृष्ठ सज्जा 3. साक्षात्कार लेखन 4. समाचार लेखन कला

## इकाई 3 इलेक्ट्रानिक माध्यम : सामान्य स्वरूप

( Credit:1) 15

श्रव्य माध्यम ( रेडियो ) :

- 1 . मौखिक भाषा की प्रकृति 2. समाचार लेखन एवं वाचन 3. रेडियो नाटक 4. उदघोषणा लेखन
- 5 . विज्ञापन लेखन 6. फिचर एवं रिपोर्टाज

## इकाई 4 दृश्य –श्रव्य माध्यम ( फिल्म , टेलिविजन एवं वीडियो ) सामान्य स्वरूप : ( Credit:1) 15

- 4.1 . दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति 4.2 . दृश्य एवं श्रव्य एवं सामग्री का सामंजस्य
- 4.3. पार्श्ववाचन ( वायसओवर ), पटकथा लेखन
- 4.4 . टेली ड्रामा / डॉक्यू ड्रामा 4.5 . संवाद लेखन 4. 6 . साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण
- 4.7 . जनसंचार में भाषिक कौशल

## संदर्भ सूची :-

- 1 प्रयोजनमूलक हिंदी विविध आयाम – डॉ. अंबादास देशमुख
- 2 कम्प्युटर : क्या , क्यों , कैसे ? – रामबंसल विज्ञाचार्य , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 3 कम्प्युटर : सूचना प्रणाली – रामबंसल विज्ञाचार्य , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 4 कम्प्युटर :के भाषिक अनुप्रयोग – विजयकुमार मल्होत्रा , वाणी प्रकाशन , नई दिल्ली ।
- 5 जनसंचार – विविध आयाम – ब्रजमोहन गुप्त

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (यतस्वा) , सोलापुर.  
प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )

सत्र - II

DSC –VII संगणकीय एवं व्यावहारिक हिंदी

सत्रांत परीक्षा - 60 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

सूचना :

कुल अंक - 60

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (6 में से कोई 4 )	(12)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(12)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(12)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(12)

अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा  
( अंक - 20 )

- प्रश्न - 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 08 अंक  
प्रश्न - 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) - 12 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नलाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –II

**Subject: DSC –VIII हिंदी साहित्य और सिनेमा- II**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 02

नियत तासिकाएँ : 30

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -II

## DSC –VIII हिंदी साहित्य और सिनेमा- II

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 02

नियत तासिकाएँ : 30

### 1.1 प्रस्तावना :-

साहित्य और सिनेमा का गहरा संबंध है। इसका कारण दोनों का संबंध जनता से है। सिनेमा अन्य कलाओं की तुलना में आधुनिक कला है। नवीनता होकर भी यह अंत्यत प्रभावशाली जनधर्मी कला है। इस दृष्टि से सिनेमा का समाज से वही रिश्ता होता है, जो साहित्य का समाज से है। संगीत, साहित्य, चित्र, शिल्प और नृत्य जैसी विभिन्न कलाओं के समन्वय तथा आधुनिक नित-नए यांत्रिक उपादानों की सहायता से निर्मित होकर सिनेमा ने अपना स्वतंत्र एवं प्रभाव स्थापित किया है। सिनेमा अन्य कलाओं की तरह मनोरंजन प्रधान होने के साथ-साथ जनसंचार एवं जनशिक्षा का प्रभावशाली माध्यम रहा है। हिलते-डुलते चित्रों से आरंभ हुई सिनेमा की विकास यात्रा आज भी अनवरत जारी है। सिनेमा के विकास में साहित्य की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अनेक साहित्यिक रचनाओं ने सिनेमा के लिए कथातत्व दिया है। अतः साहित्य एवं सिनेमा के अंतः संबंधों को समझते हुए फिल्मांतरण हुए हिंदी साहित्य का अध्ययन आवश्यक है। इस पाठ्यक्रम में साहित्यिक विधाओं के अतिरिक्त जनसामान्य की अभिव्यक्ति में सिनेमा का स्थान और उसकी आवश्यकता को विद्यार्थियों के लिए वार्ता की नई दृष्टि के रूप में अभ्यंत कराया गया है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत प्रश्नपत्र रखा गया है।

### 1.2 पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course) :-

१. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्रों को परिचित कराना।
२. हिंदी सिनेमा के स्वरूप सज छात्रों को परिचित कराना।
३. सिनेमा की निर्मित प्रक्रिया से परिचित होना।
४. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत होना।
५. साहित्य से सिनेमा के थीम की निर्माणियता में भावाधार से परिचित कराना।

### 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course) :-

१. हिंदी साहित्य एवं सिनेमा से छात्र परिचित होते हैं।
२. हिंदी सिनेमा के स्वरूप को समझते हैं।
३. सिनेमा की निर्मित प्रक्रिया से परिचित होते हैं।
४. हिंदी साहित्यिक कृतियों के फिल्मांतरण की प्रक्रिया से अवगत होते हैं।
५. पटकथा लेखन में भावसृष्टि के नए दृष्टि से परिचित कराना।

### 1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes) :-

#### साहित्य :-

- 1 छात्रों में साहित्य लेखन के प्रति अभिरुचि बढेगी।
- 2 छात्र भाववृद्धि कर सकने में सक्षम होगा।

#### भाषा :-

- 1 छात्रों में सिनेमा परीक्षण करने की क्षमता बढेगी।
- 2 छात्र अन्य साहित्य से हिन्दी में दृश्याकंन को रूप देने में सक्षम होगा।

### 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes) :-

- 1 छात्रों को सिनेमा की प्रक्रिया सीखने में मदद होगी।
- 2 छात्र भाववृद्धि के साथ परिवेश की भाषिक शब्दावली से अवगत होगा।

### 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा।

### 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधि ( Duration of the Course) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधि चार सत्रों में विभाजित होगा। जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी।

### 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधि ( Duration of Course) :-

एम . ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

**1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धति ( Modes of Internal Evaluation ) :-**

असाईनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परीक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

**1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी**

**वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर**

**सत्र –II**

**DSC –VIII हिंदी साहित्य और सिनेमा- II**

Credits: Theory-02

Contact Hours: 30

**Course Structure**

सत्र (Semester)	प्रश्नपत्र क्रं. Paper No.	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
II	DSC – VIII	हिंदी साहित्य और सिनेमा-II	30	20	30	50	02

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -II

DSC -VIII हिंदी साहित्य और सिनेमा- II

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 02

नियत तासिकाएँ : 30

**इकाई 1 हिंदी साहित्य और सिनेमा का अंतःसंबंध**

(Credit :1 ) 15

- 3.1. हिंदी कहानी साहित्य के फिल्मांतरण का संक्षिप्त परिचय
- 3.2. हिंदी उपन्यास साहित्य के फिल्मांतरण का संक्षिप्त परिचय
- 3.3. हिंदी नाटक साहित्य के फिल्मांतरण का संक्षिप्त परिचय
- 3.4 गद्य विधाओं का प्रत्यक्ष फिल्मांतरण
- 3.4.1 साहित्यिक विधा और रूपांतरण
- 3.4.2 साहित्य और सिनेमा का अन्यःसंबंध
- 3.4.3 साहित्य विधाओं का पटकथा लेखन

**इकाई 2 फिल्मांतरीत साहित्य का मूल्यांकन**

(Credit :1 ) 15

1. साहित्यिक कृतियों पर बनीं फिल्मों का अध्ययन
2. तीसरी कसम-फणीश्वरनाथ रेणु,निर्देशक-बासू भट्टाचार्य
3. आषाढ़ का एक दिन-मोहन राकेश, निर्देशक-मणि कौल
4. सूरज का सातवां घोडा-धर्मवीर भारती, निर्देशक-श्याम बेनेगल

**संदर्भ सूची :-**

1. हिंदी सिनेमा का सफर - अनिल भार्गव
2. हिंदी सिनेमा का जादुई सफर- प्रताप सिंह
3. साहित्य और सिनेमा -सं.शैलजा भारद्वाज
4. भारतीय चलचित्र-डॉ.महेन्द्र मिश्र
5. समय, सिनेमा और इतिहास-संजीव श्रीवास्तव

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर.

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )

सत्र –II

DSC –VIII हिंदी साहित्य और सिनेमा- II

सत्रांत परीक्षा – 30 Marks (Max. Time 1.30 Hours)

सूचना :

कुल अंक - 30

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(06)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (5 में से कोई 3 )	(06)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(06)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(06)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(06)

अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा

( अंक – 10 )

प्रश्न – 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 04 अंक

प्रश्न – 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) – 06 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नलाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020-

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –II

**Subject: DSE – II व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता- II**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -II

DSE – II व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता- II

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

## 1.1 प्रस्तावना :-

आज का युग जनसंचार का युग है। आज मुद्रण क्षेत्र में जो विकास हुआ है उसके पीछे का कारण प्रेस आविष्कार है। जिसने कम समय में मुद्रण की कई प्रतियाँ उपलब्ध करा दी। इसके कारण नये-नये समाचार पत्र निकलने लगे। हिंदी भाषा के अंतर्गत भी कई सारी पत्र-पत्रिकाएँ निकलने लगी। मुद्रित माध्यम के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों का भी आविष्कार हुआ। जिसमें रेडियो और दूरदर्शन प्रमुख है। इस पाठ्यक्रम में प्रिंट पत्रकारिता से लेकर रेडियो, दूरदर्शन के साथ सूचना और मानवाधिकार जैसे कई बिंदुओं पर प्रकाश डाला जाएगा। और साथ ही इस पाठ्यक्रम में पत्रकारिता में मुद्रित शोधन वृत्ति से समीक्षण वृत्ति और संशोधक वृत्ति को छात्राभिमुख करने का प्रयत्न किया गया है।

## पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course) :-

1. छात्रों को पत्रकारिता के स्वरूप, प्रकार और महत्व से अवगत कराना।
2. छात्रों को उद्भव और विकास से परिचित कराना।
3. छात्रों को पत्रकारिता के मूल तत्वों से अवगत कराना।
4. छात्रों को पत्रकारिता की भाषा से परिचित कराना।
5. छात्रों को संवाददाता की अर्हता एवं कार्यप्रणाली से अवगत कराना।
6. छात्रों को स्थानीय परिवेश से सांझी कृतकर भाषिक कौशल से परिचित कराना।

## 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course) :-

1. छात्र पत्रकारिता में हिंदी के अनुप्रयोग से अवगत होंगे।
2. छात्र मुद्रित माध्यम के सैद्धांतिक पक्ष से परिचित होंगे।
3. छात्र इलेक्ट्रॉनिक माध्यम रेडियो के लिए लेखन से परिचित होंगे।
4. छात्र टेलिविजन की जानकारी से उसमें किए जानेवाले लेखन से अवगत होगा।
5. छात्र जनसंचार के विविध माध्यम में भाषिक कौशल्यता से परिचित होंगे।
6. छात्रों को दृश्यात्मकता से वैज्ञानिक संसाधनों से परिचित करवाना।

## 1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes) :-

### साहित्य :-

1. हिंदी में वैज्ञानिक अनुप्रयोग के प्रति अभिरुचि बढ़ेगी।
2. छात्र जनसंचार के विविध माध्यमों में भाषिक प्रयोग का प्रत्यक्ष प्रयोग कर सकने में सक्षम होगा।

### भाषा :-

1. संगणकीय हिंदी के माध्यम से हिंदी का प्रशासनिक रूप में वृद्धि होगी।

## 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes ) :-

1. छात्र जनसंचार के विविध माध्यम में भाषिक कौशल का प्रयोग सीखने में मदद होगी।

## 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा।

## 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधी ( Duration of the Course ) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधी चार सत्रों में विभाजित होगा। जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी।

## 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधी ( Duration of Course ) :-

एम. ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा। प्रत्येक सत्र में 80 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 20 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे।

## 1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धति ( Modes of Internal Evaluation ) :-

असाईनमेंट, ट्यूटोरियल, प्रस्तुतिकरण, बहुविकल्पी प्रश्न, मौखिक परीक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा।

## 1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स(स्वायत) , सोलापुर

सत्र -II

DSE – II व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता- II

Credits: Theory-04

Contact Hours: 60

Course Structure

सत्र	प्रश्नपत्र )Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन Internal Evaluation (IE)	सत्रांत मूल्यांकन End Semester Evaluation (ESE)	कुल अंक Total Marks	श्रेयांक Credits
II	DSE- II	व्यावसायिक वर्ग: पत्रकारिता भाग -II	60	40	60	100	04

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (यतस्वा) , सोलापुर

सत्र -II

DSE – II व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता- II

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

**इकाई – I मुद्रित माध्यम स्वरूप एवं महत्व**

(Credit: 1) 15

1. प्रिंट पत्रकारिता का उद्भव और विकास
2. प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, ले आउट, प्रुफ शोधन : पृष्ठसज्जा
3. प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

**इकाई: 2 प्रेस की अवधारणा और हिंदी पत्रकारिता**

(Credit: 1) 15

1. मुक्त प्रेस की अवधारणा प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी ,
2. प्रेस संबंधी कानून तथा आचार संहिता
3. हिंदी के प्रमुख समाचार पत्र एवं पत्रिकाएँ

**इकाई 3 पत्रकारिता के विविध आयाम**

(Credit: 1) 15

3. 1 पत्रकारिता का प्रबंधन 3. 2 प्रशासनिक व्यवस्था
3. 3 ब्रिकी तथा वितरण व्यवस्था 3. 4 पत्रकारों के विभिन्न संघटन
3. 5 मुद्रित शोधन :
  3. 5.1 परिभाषा एवं स्वरूप
  3. 5.2 प्रुफ रीडर की योग्यता एवं कर्तव्य
  3. 5.3 फ पठन एवं संशोधन प्रक्रियापु
  3. 5.4 संकेत चिन्हों का विवरण

**इकाई 4 इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारिता और सूचना अधिकार**

(Credit: 1) 15

1. रेडियो और दूरदर्शन की माध्यमगत विशेषताएँ एवं सीमाएँ
2. रेडियो तथा दूरदर्शन चैनलों का सामान्य परिचय
3. भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार सूचनाधिकार एवं मानवाधिकार

**संदर्भ सूची :-**

1. हिंदी का सही प्रयोग - डॉ. नीलम भान
2. हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा - डॉ. मनमोहन
3. पत्रकारिता का विकास - एन. सी. पंत
4. पत्रकारिता की विभिन्न धाराएँ - डॉ. निशांत सिंह
5. पत्रकारिता संदर्भ कोश - डॉ. सुधींद्रकुमार, डॉ. रामप्रकाश

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत्त) , सोलापुर.

प्रश्नपत्र एवं अंक वितरण (एम. ए. भाग- एक )

सत्र -II

DSE – II व्यावसायिक वर्ग : पत्रकारिता- II

सत्रांत परीक्षा - 60 Marks (Max. Time 2.30 Hours)

सूचना :

कुल अंक - 60

1. सभी प्रश्न अनिवार्य ।
2. दाहिनी ओर लिखे हुए अंक प्रश्न के गुण दर्शाते हैं।

प्रश्न: 1 -	बहुविकल्पीय प्रश्न ( पूरे पाठ्यक्रम पर)	(12)
प्रश्न:2 -	संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न (6 में से कोई 4 )	(12)
प्रश्न: 3 -	टिप्पणियाँ लिखिए । ( 3 में से कोई 2 )	(12)
प्रश्न:- 4-	निबंधवत प्रश्न (2 में से कोई 1 ) ( अंतर्गत विकल्प के साथ )	(12)
प्रश्न: 5 -	निबंधवत प्रश्न	(12)

अंतर्गत मूल्यांकन परीक्षा

( अंक – 20 )

प्रश्न – 1 बहुविकल्पीय प्रश्न । 08 अंक

प्रश्न – 2 संक्षिप्त उत्तरलक्षी प्रश्न । ( 3 में से कोई 2 ) – 12 अंक

“ शिक्षण हाच धर्म ”

श्री ऐल्लक पन्नलाल दिगंबर जैन पाठशाला

(जैन अल्पसंख्याक)

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स(स्वायत),सोलापुर

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

पाठ्यक्रम



**Choice Based Credit System**

**Name of the Faculty: Humanities**

सत्र –II

**Subject: FP – I क्षेत्र परियोजना**

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

# वालचंद कॉलेज ऑफ आर्ट्स अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -II

FP – I क्षेत्र परियोजना

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

## प्रस्तावना :

क्षेत्र परियोजना ( Field Project) एक पेपर है जिसका उद्देश्य एम.ए. हिंदी के विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान और कौशल को विकसित करना है । छात्रों को प्रोजेक्ट दिए जाएंगे जो उन्हें हिंदी भाषा और साहित्य से संबंधित विभिन्न बिन्दुओं और दैनिक जीवन में हिंदी के सामान्य उपयोग के संदर्भ में समुदाय के सामने लाएंगे ।

### पाठ्यक्रम के उद्देश्य ( Objectives of the Course ) :-

1. छात्रों को विभिन्न सामाजिक परिस्थितियों को अपनाने में सक्षम बनाना ।
2. छात्रों को क्षेत्र कार्य से परिचित होने में मदद करना ।
3. क्षेत्रीय कार्य के माध्यम से जिम्मेदारी की भावना विकसित करना ।
4. छात्रों को आलोचनात्मक सोच , टीम वर्क और रचनात्मक विकसित करने में सक्षम बनाना ।

### 1.3 पाठ्यक्रम सीखने के परिणाम ( Learning Outcomes of the Course ) :-

1. इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के बाद छात्र सक्षम होंगे ।
2. छात्र आत्मविश्वास के साथ विभिन्न कौशलों का उपयोग करेंगे ।
3. छात्र कार्यस्थलों पर कौशल सीखने में मदद होगा ।
4. छात्र उनकी भाषाई क्षमताओं का अधिक से अधिक उपयोग करेंगे ।
5. छात्र आलोचनात्मक ढंग से सोच –विचार कर और टीम भावना के साथ रचनात्मक रूप से भाग लेगा ।

### 1.4 पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम ( Programme Specific Outcomes ) :-

1. विभिन्न संदर्भों और शैलियों में बोलने और लिखने दोनों में सटीक और सटीकता से संवाद करना ।
2. छात्र जनसंचार के विविध माध्यमों में भाषिक प्रयोग का प्रत्यक्ष प्रयोग कर सकने में सक्षम होगा ।
3. मीडिया और सार्वजनिक वचन के अन्य रूपों का विश्लेषण करने के लिए सैद्धांतिक रूपरेखा लागू करेगा । छात्र कविता के छंदात्मक विश्लेषण में अंतर्दृष्टि प्राप्त करेगा ।
4. हिंदी , सार्वजनिक की एक विस्तृत शृंखला में करियर और उन्नत अध्ययन के लिए छात्र प्रशिक्षित होगा ।

### 1.5 पाठ्यक्रम के परिणाम ( Programme Outcomes ) :-

1. छात्र प्रभावी संचार , व्यावहारिक , अंतर- व्यक्तिगत संचार में संलग्न रहने में मदद होगा ।

### 1.6 प्रवेश योग्यता :-

किसी भी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से बी. ए. हिंदी विषय में उत्तीर्ण तथा कम से कम 45% अंक प्राप्त विद्यार्थी को प्रवेश मिल जाएगा ।

### 1.7 पाठ्यक्रम की कालावधि ( Duration of the Course ) :-

एम. ए. हिंदी स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रम का कालावधि चार सत्रों में विभाजित होगा । जिसकी पूर्णावधि दो वर्ष में होगी ।

### 1.8 प्रथम वर्ष पाठ्यक्रम कालावधि ( Duration of Course ) :-

एम . ए. प्रथम वर्ष का पाठ्यक्रम दो सत्रों में पूरा होगा । प्रत्येक सत्र में 60 अंक का लिखित प्रश्नपत्र सत्रांत परीक्षा में होगा और 40 अंक अंतर्गत मूल्यांकन के होंगे ।

### 1.9 अंतर्गत मूल्यांकन पद्धति ( Modes of Internal Evaluation ) :-

असाइनमेंट , ट्यूटोरियल , प्रस्तुतिकरण , बहुविकल्पी प्रश्न , मौखिक परीक्षा आदि में विद्यार्थियों को उपस्थित रहना अनिवार्य होगा ।

### 1.10 अध्यापन माध्यम : हिंदी

**Course Structure**

सत्र	प्रश्नपत्र )Paper)	प्रश्नपत्र का नाम (Title of Paper)	नियत तासिकाएँ  Number of Lectures (Theory)	अंतर्गत मूल्यांकन <b>Internal Evaluation (IE)</b>	सत्रांत मूल्यांकन  <b>End Semester Evaluation (ESE)</b>	कुल अंक  <b>Total Marks</b>	श्रेयांक  <b>Credits</b>
II	DSE- II	क्षेत्र परियोजना	60	40	60	100	04

वालचंद कॉलेज ऑफ आर्टस अँड सायन्स (स्वायत) , सोलापुर

सत्र -II

DSE – II क्षेत्र परियोजना

पाठ्यक्रम श्रेयांक : 04

नियत तासिकाएँ : 60

<b>इकाई – I परियोजना की अवधारणा</b>	<b>(Credit: 1) 15</b>
1.1 परियोजना का अर्थ व परिभाषा	
1.2 परियोजना के तत्व	
1.3 परियोजना का उद्देश्य	
1.4 परियोजना की विशेषताएँ	
1.5 परियोजना का महत्व	
<b>इकाई: 2 परियोजना के चरण</b>	<b>(Credit: 1) 15</b>
2.1 निवेश पूर्व	
2.2 निर्माणी चरण	
2.3 सामान्यीकरण चरण	
2.4 परियोजना प्रबंधन	
2.5 परियोजना विकास चक्र	
<b>इकाई 3 परियोजना के प्रकार</b>	<b>(Credit: 1) 15</b>
3.1 क्षेत्र के आधार पर	
3.2 आकार के आधार पर	
3.3 स्वामित्व एवं नियंत्रण के आधार पर	
3.4 तकनीक आधार पर	
3.5 उद्देश्य के आधार पर	
3.6 संतुलन के आधार पर	
3.7 परियोजना नियोजन	
3.8 परियोजना प्रबंधक भूमिका	
<b>इकाई 4 क्षेत्र परियोजना पर रिपोर्ट लिखना</b>	<b>(Credit: 1) 15</b>

**संदर्भ सूची –**

1 sontakki VC, Project Management , Himalaya Publishing House , Mumbai

2 Vasant Desai, Project Management : Small Step Towardsa Big Journey , Himalaya Publishing House , Mumbai